कश्मीर घाटी में यूरेशियन ओटर

स्रोत: बिज़िनेस लाइन

यूरेशियन ओटर **को 25 वर्षों में पहली बार लाइव डॉक्यूमेंटेशन** के साथ गुरेज़ घाटी **(कश्मीर)** में देखा गया है।

- इसे किशनगंगा नदी **(कृष्णसर झील**, गांदरबल ज़िला (जम्मू-कश्मीर) से निकलने वाली) में मछलियाँ खाते हुए देखा गया।
  - यह नदी PoK में प्रवेश करने से पहले कश्मीर की **तुलैल और गुरेज घाटियों** से होकर उत्तर की ओर बहती है।

यूरेशियन ओटर के बारे में:

- **परिचय: ओटर *??????????*** नामक **स्तनधारी परिवार** के सदस्य हैं और **खारे तथा मीठे जल** दोनों में रहते हैं।
  - जम्मू-कश्मीर में, उन्हें स्थानीय रूप से **वोदुर** के नाम से जाना जाता है और **जलीय पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद** करते हैं।
  - ओटर मुख्य रूप से **सुबह और शाम** (Crepuscular) **के समय सक्रिय** होते हैं।
- **प्राकृतिक वास: हिमालय, पूर्वोत्तर भारत और** पश्चिमी घाट में पाया जाता है।
- **माँसाहारी आहार: मछली, क्रस्टेशियन, उभयचर** और कभी-कभी **सरीसृप, पक्षी, अंडे, कीड़े और कृमि** खाते हैं।
- **संरक्षण स्थिति: निकट संकटग्रस्त (**IUCN**), अनुसूची I (**वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972**), परिशिष्ट I (**CITES**)।**
- **भारत में अन्य ओटर प्रजातियाँ:** स्मूथ-कोटेड ओटर (संपूर्ण भारत में), और स्माल-क्लावेड ओटर (हिमालय और दक्षिणी भारत में)।

और पढ़ें: फिशिंग कैट एंड ओटर

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/eurasian-otters-in-kashmir-valley